श्री शारिका सहस्रनामस्तोत्रम्

1 ॐ ह्रीं श्रीं हूं फ्रां आं शां श्रीशारिकायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

 ॐ ह्रीं श्रीं हूं फ्रां आं शां शारिकायै नमः ।

यह सप्ताक्षरी बीज मंत्र श्री शारिका का है। इस बीजमंत्र स्वरूपिणी को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

2 ॐ श्यामसुन्दर्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

शारिका देवी जो श्याम वर्णवाली और परम सुन्दरी है को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

3 ॐ शिलायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका माता जो शिला रूप में पर्वत पर स्थित हैं उस देवी को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ। (श्रीनगर] कशमीर का हारी पर्वत]

4. ॐ शार्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका माता जिन्होनें मैना स्वरूप धारण किया हुआ है को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

5 ॐ शुक्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो मेधावी शक्ति का प्रतीक है और हरित वर्ण वाली है उनको मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

6 ॐ शान्तायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो शान्त मूर्ति स्वरूप में रहती हैं उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

7 ॐ शान्त मानस गोचरायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो शान्त मन से पृथ्वी का विचरण ]भ्रमन, करती हैं उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

8 ॐ शान्तिस्थायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो स्थायी रूप में शान्ति स्वरूप में विराजमान है, उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

9 ॐ शान्तिदायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

माँ शारिका देवी के शान्ति प्रदान करने वाले स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

10 ॐ शान्त्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

माँ शारिका देवी जो सब को शान्ति प्रदान करने वाली हैं। उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

11 ॐ श्यामायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो अष्टादशभुजा श्यामवर्ण स्वरूप में स्थित है, उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

12 ॐ श्याम पयोधरायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जिसका वक्षस्थल] मेघवर्ण साँवला स्वरूप हैऐसी के लिए उनके इस स्वरूप को में बारंबार हाथ जोडकर नमस्कार करता हूँ।

13 ॐ देव्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

श्री शारिका देवी जो अपने दिव्य स्वरूप में सारे ब्रह्माण्ड में वास करती है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

14 ॐ शशाङ्कबिम्बा - ढ्यायै नमस्तस्यै नमो नमः। । ।

श्री शारिका देवी जो समृद्ध स्वरूपा है और जिसके होंठ चन्द्रमा जैसे है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

15. ॐ शशांक कृतशेखरायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो अपने मस्तक पर अर्ध चन्द्र शेखर को धारण करने वाली है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

16. ॐ शशांक शोभि लावण्यायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जिनका लावण्य सौंदर्य चन्द्रमा को भी सुशोभित करता है]

उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

17 ॐ शशांक मध्य वासिन्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो चन्द्रमा के भीतर वास करती है] उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

18 ॐ शार्दूल वाहायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी के एक स्वरूप में उनका वाहन व्याघ्र है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

19 ॐ देवेश्यै नमस्तस्यै नमो नमः। । ।

श्री शारिका देवी जो सारे ब्रह्माण्ड की परापर परमेश्वरी है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

20 ॐ शार्दूल चर्म वासस्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जिसने व्याघ्र चर्म वस्त्र धारण किया है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

21 ॐ गौर्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो नव दुर्गा में अष्टम नवदुर्गा देवी के रूप में प्रकट हुई है और जिनका गौर वर्ण है उन गौरी स्वरूपा को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

22 ॐ पद्मावत्यै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो पद्म कमल के आसन पर आसीन रहती है और लक्ष्मी स्वरूपा है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

23 ॐ पीनायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री शारिका देवी जो विशाल आकार वाली है और सारे ब्रह्माड में जिसका विस्तार फैला हुआ है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

24 ॐ पीनवक्षोज कुड्मलायै नमस्तस्यै नमो नमः। ।

श्री विकसित पीन पयोधर वाली, कुड़मला अर्थात् जिसके स्तन द्वयका पूर्ण विकास हुआ हो। वक्षोज-वक्षस्थल से प्राप्त स्तनपान कराने वाली शारिका देवी के लिए उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।

25 ॐ पीताम्बरायै नमस्तस्यै नमो नमः। । ।

श्री शारिका देवी जिन्होने पीले] अम्बर जैसे वस्त्र धारण किये है उनके इस स्वरूप को मैं बारंबार हाथ जोड़कर नमस्कार करता हूँ।